

**राज**  
कॉमिक्स  
विशेषांक  
मूल्य 20.00 रॉपया 545

# लावा

**नागराज**



लावा! पिघली और दहकती हुई चट्टानों का वह सैलाब जो पृथ्वी के गर्भ में हमेशा से मौजूद है। जब-जब ये सैलाब ज्वालामुखियों के रास्ते से बाहर आया उसने विनाश का तांडव पैदा कर दिया। इसके रास्ते में जो आया वो खत्म हो गया। आज दुनिया और लावा के बीच में खड़ा है नागराज। और उसकी तरफ बढ़ता आ रहा है...

# लावा

कथा :  
मीली सिन्हा

चित्र :  
अनुपम सिन्हा

स्थिति :  
विनोदकुमार

सुलेख एवं रंग संयोजन :  
सुनील पाण्डेय

संपादक :  
मनीष गुप्ता



तुम एक अजब सरी हैं, मगराज !  
तु इस स्थिति का बल लेकर जलवा  
होत, जहाँ पर अंध डेन्स और अंध  
सरी के ऊपर जमे जागी रहते हैं।

बल, कहां  
पर है बल स्थिति ?

तुम से  
इच्छा होती है  
के विनाश स्थिति  
अजब की बात  
कर रहे हो। उसका  
पता है किसी को  
कहीं बल सकता  
है।

ये फिर व अजब स्थिति  
उत्पन्न हुई है अंध की तुम्हारी  
मे देखे। और फिर अपने विचार पर  
दृष्टि विचार कर।

महाद्वीप- बुद्ध की पर से जुड़ सक, ऐसा द्वीप है  
जहाँ पर अर्धचंद्र चिह्न से लकड़बग्घे और इच्छाधारी  
मर्क का चिह्न है -

इस द्वीप के संस्थापक महानस काष्ठवुत इस  
द्वीप को अपनी योग साधन के द्वारा अर्धचंद्र चिह्न  
है। तबिक जहाँ बुद्धि की तरंगों में पड़ गये  
चुप रहे और अन्ततः वहाँ पर आकर अपनी  
आत्मा में अर्धचंद्र चिह्न -

महाद्वीप बुद्धिधर्मों :  
आज की ये महा द्वीप  
जहाँ बुद्धि धर्म बुद्धिधर्मों  
है। आज मकर संक्रान्ति  
है। सूर्य देव आज मकर रेखा  
को पार करने है, और बुद्ध की  
बुद्धि धर्मों में इससे बिल्कुल  
में आ जाते हैं। और उनकी इस  
क्रिया से एक दिन के लिए महा-  
द्वीप अर्धचंद्र चिह्न रहता है।

आज अर्धचंद्र चिह्न को अतिरिक्त  
अपने में समक रहता है। द्वीप के  
चलने परक लक्षण परबली होती।  
और आज कोई द्वीप की तरफ  
आता बिल्कुल दे तो पहले  
स्वर्ण को चुपके की बर्तिका  
काजी होगी। अब मैं सूर्य  
देव की असाध्य के लिए  
ज रहा हूँ।

पर वर्ष में एक दिन ऐसा भी आता है जब  
प्राकृतिक बुद्धिधर्मों के आगे योग साधन  
की अक्षति विफल हो जाती है -

तब सिर्फ साधन ही काम में आता है -



सभी सैनिक नर  
महाद्वीप के चले तरफ फैल  
जाने और अपनी शक्ति बढ़ाने  
रखें। इस वही कहते कि इस  
द्वीप पर मकर अर्धचंद्र और इस  
कारण इससे बुद्धि धर्मों का  
अहित हो।

जीव के बारे में तब तक किसे जल्द पर तो  
हजार सालों का सफाई है, और उस तरह  
में जाती किपरी को अपना को अपनी  
तरफ करने से लेकर जा सकता है -



परन्तु जब मुनीबत आमसज से आकर सिर पर टूटने लगी तो  
तो कहें बच करे-



हम आपके  
आसानी हैं सिर्फ  
कसब, कि  
अपने हमारे  
प्रयोग के सिर्फ  
अपने आपकी  
सर्वी सेवक के  
रूप में प्रकट  
किए हैं।

मानवता को अगर मुझसे  
कुछ भी पता है तो मैं कह सकता हूँ कि सिर्फ  
जैसे तो मैं अपनी जान देने के लिए तैयार  
हूँ। मैं अपना दुःखित अंश करता हूँ कि अपने  
मुझको यह लेना दिया।

आज हम आपके आस  
रखकर कर रहे हैं। कम से कम  
दुनियाँ आपकी पूरा करनी।  
आपकी बेटी को मैं हमारे पक्ष  
पर आपके साथ इलेक्ट्रिक दुनिया  
है लकिन वह भी अपने पिता की  
सहायता को अपनी ओर से  
बेच सके।

और इस सौपरकारी  
पक्षों को हमारे के लिए  
पाव रखे।



मुझको इतिहास  
करें। इस मुझको  
हमारे बावजूद कि मुझे  
करना अर्थ है।

यह तो हम आपके  
पक्षों की बात चुके हैं कि हमारे स्वर  
सेवा आपके सिकल प्रोडक्ट बनाया है,  
जिनको पीने से डंसन आस पर बिजल  
न मिले।

उसके अंशर आप  
की कृष्ण के प्रति मेरी  
प्रतिरोधक क्षमता विकसित  
की जल्दी, जो इसके डरीर  
को जलने लगी होती।

इस समय  
का प्रयोग हम  
पक्षों पर  
सकलनपुर्ण  
कर चुके हैं।



बहुत ही जल्दी पर इसका  
प्रयोग करना आनी सही है।  
बस इसको इनका पास है, कि  
ये रसदाल और ईमान को  
साबका नहीं पहुँचाया तो  
सुकलान और मेरी  
पहुँचाया।

आज सुकलान पहुँचाया तो  
और मैं अजबाल की सेवा के  
लिए यह सबका उछाले को  
निकार हूँ। पर मुझको कुछ  
नहीं मालूम है आ रहा है कि  
ये प्रयोग और इसकी योजना  
में करना नहीं चाहते हैं।

क्या इसका  
अपने प्रयोग से कुछ  
संबंध है ?



आज से संबंध है मिस्टर कलका।  
अधिकतर बड़ा अपनी योजनाओं  
में मेरे प्रयोगों की इजाजत नहीं  
देते हैं जो ईमानों पर थोका जाये।  
और फिर सरकारी इलाजान मेरे  
में सहाय और तो बहुत सारा  
है।

हमारे पास इनका  
बकल नहीं है।  
इसीलिए इस से  
प्रयोग और प्रयोग  
आपु सीमा में कर  
रहे हैं। नहीं पर  
किसी को ही  
इलाज नहीं  
पसल।

आज बहुत  
दूर की योजना है  
मिस्टर जेन...



... अगर बकल कम  
है तो फलानक बनाना  
कि मुझको जरा  
करना है।

सबसे पहले तो आपको  
इस चीज को अपनी आँखों पर  
पहुँचा है। यह इसकी योजना  
में अंततः अपने सारे में  
होने वाली बारीक में बारीक  
हरकत को भी हमारे बैकप  
पर दिखाते रहेंगे... और  
फिर...

जीस। मुझ  
जबकि आज  
सका है।

आज  
बकल है।

आज तो इस  
वर्ष में बहुत  
दूर है।



आज आपकी मे जल्दी  
से चीज पकड़ित मिस्टर कलका।  
फिर इस अपने बताने हैं  
कि आते आचलें जरा  
करना है।

और, जे.  
मिस्टर  
जेन।



ये देखो  
जीस।

अरे, जयसुच। पर इस इलाके  
अपनी यहाँ तक कैसे पहुँच  
सकें। आगे तो रसदाल को  
सिखाए पूर्ण तरह से नैतिक  
और नहीं है।

जे नैतिक है  
हकी की इलाज होना  
पिला से।

हमारे पास इनका  
में साबकर कहने लायक  
ईशान नहीं है।



फिर तो और बड़े  
संरक्षण अर्थात् है। इनको  
पंच सिंघों के अंडर  
सैवारी पूरी कर लेते  
हैं।

क्योंकि पंच सिंघों  
के अंडर सैन्य उस  
जंगल सुरक्षा पक  
रहेंगे जंगलों।



आप तैयार हो  
गए सिंघार करवाए

हां। मैं एक दुर्गम क्षेत्र  
है। अब बनाइए कि  
सुरक्षा जग करवा  
हैं।



कलाम है रसायन को  
संशोधन की जाए -

शिवराट: अहा,  
अब बनाइए  
करवा करवा  
हैं।

अपको ये रसायन  
पैदा है। ये आपके शरीर की  
केमिकल को अब से सुरक्षित  
रहेगा। और ये पंच आपके शरीर  
की हर हरकत को इसारे कंप्यूटर  
तक पहुंचाया रहेगा।

आहम!  
आहम! ये तो  
देर किसी जै हरे  
आमि ये लेने  
हैं।



अब आपको इन  
जंगल सुरक्षा के  
अंडर करवा  
हैं।

सुने...  
ये से...  
मेरा करवा  
होवा है





मैं ऐसा नहीं कर सकता।  
आत्मसुखी तो बहुत सारे  
होते हैं। उसके अतिरिक्त तो बहुत  
तुल्य विचार आती हैं। परन्तु  
वे इसका इस्तेमाल कर  
लेते शरीर की रक्षा कर पायें  
या नहीं।

ये काम तो अब आपको करना  
ही पड़ेगा। अगर आत्मसुखी के  
अंदर के लक्षण ही आपको  
मुकम्मल नहीं पहुँचा पाएंगे तो यह  
तो पक्का ही होगा कि फोटी गेली  
आम तो इस समय को फिर कुछ  
इस्तेमाल करने कुछ बिना ही नहीं  
सकते।

तुम्हारे मुकम्मल  
बातों में धोखे की  
आ रही है।

अब तुम्हारे लक्ष्य में  
आ रहा है कि ये प्रयोग तुम  
फ्लेक्स में ही क्यों करना चाहते  
ये बिस्तर में।



तुम्हारे लक्ष्य में  
जो धोखे करने का  
समय तो लक्ष्य  
करा, पर तुम नहीं  
समझते कि मैंने तुम्हारी  
बचती को ही तुम्हारे  
साथ ही क्यों बुलाया  
था ?

अगर तुमने इसकी  
बात नहीं माली तो  
आजका तुम्हारी बचती  
की सौंप दी उड़ा  
देता।

अगर मैं आत्मसुखी  
हूँ तो मैं जान पाऊँ तो  
मैंने ही तुम्हारी बचती  
आम करने का  
कोई नहीं है।

अगर मैं आत्मसुखी  
हूँ तो मैं जान पाऊँ तो  
मैंने ही तुम्हारी बचती  
आम करने का  
कोई नहीं है।



तुमने नहीं  
सोचा। पर तुम्हारे  
पास तुम्हें लक्षण के  
और भी लक्षण हैं।



मैं। ये शक्ति मेरी बचती  
आत्मसुखी में। बचा  
सकता है तो बचाने  
कल्याण।

नहीं।



कल्याण में निर्णय लेने में  
क्या पल भी नहीं होता।

चक्राकी मन  
बेटी। मैं आ  
रहा हूँ तुम्हें  
बचाने।



कलाम ने जैन सभ्य  
पर अपनी बेली की तो  
बचा लिया-

लेकिन कलाम को धक्का  
देकर सभ्य ने इतने जल्द  
कोई नहीं था-

ये क्या हो रहा  
है? एक बच्चा सभ्य  
घात से गिर गई है और  
वह सीधे जैन सभ्य के  
मुँह के अंदर जा रही है।  
इसको बचना होगा; पर  
कैसे?

आज मेहनत  
कलाम सभ्य में न  
होने से उनकी उन्नति  
इसको बचा लेती। अब  
तो सभ्य नहीं अपनी  
इसको बचा लेती, जो इतने  
साध ही हुआ है।

इसका घंटा जो  
लेस करीर बहकने लगे  
न घुसना चला गया-





लोके। बचपूरी  
मे बधा गई है।  
लेकिन इससे ऊँचाई  
मे गिरकर बह बचेगी  
नहीं। यह यारों मे ठकन  
का इसकी हड्डियां  
चुर-चुर हो जाएंगी।



अरे! ये क्या हो  
रहा है। अब ये बचपूरी  
हल ही और नी बहू नीचे  
उतर रही है। किनी  
पराब की तरह!



पता नहीं किस  
यस-नकर मे इसको  
बचाया है। आई  
बिनाक पर ये हुर  
के भारे बोलो हो  
गई है।

बहु यार इसको लेने के  
लिये अकर अपन अकरा।  
नब तक इसको इमे होश  
मे ले आना चाहिए।

और सेलपति होर  
लरे अर अलामपुरी  
के मुहाले पर कुछ लेके  
सब की भेजिए।



पता कीजिए  
कि अलामपुरी मे  
गिरने वाला इंसान  
किस अवस्था मे  
है।

मे अज्हा!

कलक का हाल जबले के लिये विमर्ष की तरह-

जैसा ही बेलाब था-

हो हा हा! काला रात  
पंच मित्रों पहले लगे  
के उड़ते हुए थे। पर देकर  
अब तक हमारे कंप्यूटर पर  
इसके जिनका होने के सुबुन  
मिल रहे हैं।

फटन से है ही।  
सावे के हुजारे दिखी लगन  
में कलकल भरा कब तक जिनका  
रहेगा।

पर जहाँ वे  
तक लिखने  
जहाँ लिखी  
मैं।

यों के हिलान  
से इस वन कलक  
मोड़ी टेपेकर 120  
डिग्री में ही है।  
मरह जेड 400/  
180 है, और हुज  
रनि वाली कर्ट रेव  
है 2.75। कुछ ही  
दर में उसका जिन  
लगे के और बस  
की तरफ कट  
पहुँच।

पर एक बात पक्की  
ही गई है। अब धीरे-धीरे  
अब और धमकी को हुजरी बस  
को पैसे वाला आगम में अंत  
आगम।

प्लेस के ओहो पायपोर्ट  
से हुल ले और हुजरी बस  
लहानकर कपटपोर्ट ले चले।

अब इस 'संटी ग्रीट लेक'  
से पैसे कलकल का बकन आ  
गया है।

महाकल पर रकन में कलक  
जला था-



पर महाकल वाली के  
रकन में परकाह नहीं  
रहनी थी-

फिर वह रकन हुज  
से ही, पानी से ही...

क्योंकि रकन से लेने  
महाकल की जिनकी  
का एक अंत बस युक्त  
हु-

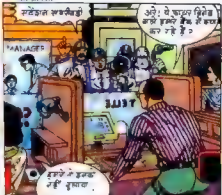
... या फिर आग से हो-





अरे! करे रुको! अड़क! अड़क! बात का है?

अरे हटो! अको! सरल के लिए ठहरो! यहाँ बैठे हो?



मॉनिटरिंग कन्ट्रोलर

अरे! ये फायर ब्रेक करो! हमारे बीच में क्या कर रहे हैं?



साफ कीजिए, बीच! और हमल 12 पर आ रहा है! हमने आग लगने की खबर रिपोर्ट नहीं की है!

आपने नहीं की, पर हम तैयार कंपनी में की है! जिसका पता हमने देकर की हमलान के सीधे में आ रहा है! इस हमलान के बीच में ये के, पता हमने देकर तैयार तैयार हो रहा है!

मरना है, आप नहीं को मरना है क्या? जो हम को मरना है तैयार!



मैं 555 हैम की मरना, मैं आ रही है!

ये मरना तो बचने में आ रही है!

यहाँ खतरा बढ़ता आ रहा है, आप सब इस बचने के बच के अंदर बैठे हुए हैं!

एक हमलान को भी पता में बढ़ सकती है! फायर ब्रेक के गलती का तैयार!



फायर ब्रेक के दुखाने समाप्त की मरना नहीं बढ़ी! फायर ब्रेक कर मरना की बच के अंदर बैठे हुए हैं!

अरे, मरना हो!

उठ दवा दवा!





धूप धूपनेक नू ते मक बचने से  
 लीलीलाय गुरु मकी सुट मकलः  
 धिक्क कइ हे बह मीठा मीप  
 उमी वमज्ज पन उवा देन

सिद्धा  
काल है ?

अ... अली ने चहूँ  
पल ही पल

कहीं इधर उधर सरक रहा होता  
तु कूट पहने है : सार मेरा कुक्षि-विष  
नहीं पसन्द : अब फटाफट लेट  
अप अंशों नैकतों में



उन हॉटेलों को भी  
बुलवाओ जहाँ आप बुक करने का  
मौकक कर रहे हैं।

और फिर-

स्वतंत्रता लक्ष्य लक्ष्य है !  
हमने नैतिक सीमाओं को काट  
दूर के लिए बांध कर दिए  
हैं

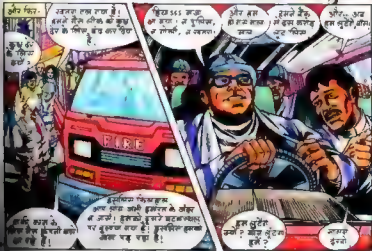
हिण्ड १५१ मञ्ज  
 ५१ मञ्ज : न पुष्पिण,  
 न गोमर्दि, न श्वभरा.

और हम  
हो नये भारत  
में

हमने बैंक  
में दूसरा कलक  
बट विजय

और... अब  
हम खुदों, बीस!

कुछ दिनों  
हिन्द  
का ३

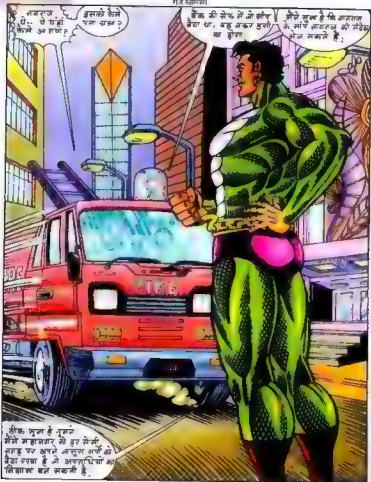


हार्दिक स्वागत के  
लिए मैं आपकी ओर  
आ रहा हूँ !

इसलिए कि यह सब  
एक ही जगह जमीन के ऊपर  
जमीन है। इसको हमारे बटन-बटन  
बुलबुल जगह है। इसलिए हमको  
जब यह सब है।

इस बुद्धि  
उत्पत्ति ? मूल बुद्धि  
इस ?

महाभारत  
कुरुक्षेत्र





मकलम मम बीम इस  
मोड्युल का मजदूर है, इस  
ही इसको फिर इस इन  
मजदूरों में आजाद हो  
आया है

इस अद्विष्ट, दुष्टने के  
मिम हथियारों में इसको  
बचन में भी है! ये इस  
समय के लिए पर मेरे  
पैर...



... और ये  
दुष्ट मजदूरों का  
बचन

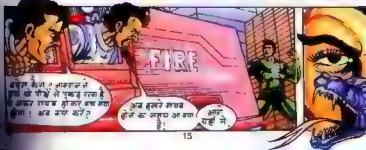


हा हा हा! ये  
समय का मजदूर  
ही है

इसकी उदर में  
मेरे कर्मों का कर्म



पर अब ही  
इस और कर्म  
नहीं कर रहा



बचन के लिए मजदूरों में  
इस को पीछे से पकड़ रहा है  
अब तक मजदूरों का कर्म  
है! अब कर्म करें?

अब हमारे मजदूर  
होने का मजदूर अब कर्म  
है!

अब  
यहाँ से



五、四、三、二、一

ये मांस भोजन नहीं है और  
मांस खाने से ही मेरा विश्व धड़कन  
बंद कर देता है।

पर मेरा दिल तो दुबुली  
मेरी से धड़कते नज़म हैं  
मैं।

अब कुछ करें ?  
अब तो भाग ही रहना  
सकते

अर्थशास्त्र में कुशल : यहाँ  
मार्गदर्शक के रूप में  
कुशल रूप से विस्तार की  
मार्गदर्शक की अर्थशास्त्र  
ए

ये काम में काम  
लेकिन राखने में  
असमर्थ है

श्रीगुरुभ्यो नमः

શ્રીમદ ગણ  
પાન ૨

ਕੁਝ  
ਮੁੱਲਾਂ ਵਾਲੇ ?

साधारणतः १२ सेल्सियस  
ऊपर तापमान पर होती है।

अब पाठ दिया  
गया है, पृष्ठ २



ये अपराधी तो मेकर्स के काम  
करा रहे हैं के लगे हैं।

मेकर्स लकायत कृतकार  
के हुए होय का लगे हैं।

फिर उन्हें सब  
जैसे स्वयं  
कुंभू हो-

हिन्दुस्तानी कुंभू हो



का पुरोचिष्ठन जैसी की  
आँके-समस्त रसमिथि।

कैसे उनका मुकाम  
मेकलु कोकर  
अनले की कोरि  
करे



सैमिकन काक नोंच रसमिथि में ले अमलन का नचव ही नहीं



गुड! अब इस पुमिथि  
के अने का इनम  
करेंगे



हा हा हा अब न कुकरो  
तक कुक भी नहीं रंग रसम  
अनराम, और तक तक इस लोटों  
से भरे मकल मेकर भय पुके  
होने।



नहीं अनराम कुकरी  
आमलन से मेरे दस करेद  
मुकरो चीन नहीं सकत

अब कुकले कुकी  
कोम में भय पे  
लिनिथ सेर कान  
आमल

अह! मैं कुक  
अर के सिध तेयाए  
नहीं या!

वे भी म कालीपुत्र के बड़े हुनो है,  
और मुझसे मर्ते के हाथ होने के  
कुलाल मरु मरु इन्हे के गकल प्रकल  
को भी म कालीपुत्र के कललोरी पैर  
कल डल है

मुझे ठीक होने से लेका  
मलमल मलमल पर मल  
नक मुझको हुन मुझे  
को मलमे से मलमल  
हुन

सीकली

अवेक मलमे ही मलमल के कली  
से मल कल डल से कली हुनमल  
मल से मलमे मलमल से कली  
मलमल की कलमल से मल  
अ मल



मल मल डल  
नक हुन मलमल के  
मलमे से मल



मल मल डल  
मलमल से मलमल डल  
से मलमल डल मल डल  
मल मल से मलमल डल

मलमे मलमे से  
मलमे मल के मलमे  
मलमे डलमे मलमे  
मलमे मलमे

मलमे मलमे डल  
मलमे मलमे डलमे  
मलमे मलमे



गोडासी के गनसुखने की शक्ति बूढ़ों के लकड़ने की शक्ति से कहीं ज्यादा थी।

अगर कहें गोडासी की बूढ़ा कालुस के बूढ़ों से भी ज्यादा लंबी थी।

और लकड़ने के पैरों से भी ज्यादा कड़ेदार हैं!

इंफुलकुक मंगा पैर

अब तुमको कदम की शक्ति नहीं मरब पाएगा!

आह! ये तो तुम की मकड़ से ज़्यादा भी लंबा होती है।

आह! है!

ये लकड़ने की शक्ति की पड़वाई है। ये तो भी हाथ में रख और लंबा है कि अब आजकी भी लकड़ने।

मुझे अगले कई सालों में लकड़ने के पैरों बिना नहीं होंगे।

लेकिन घटनाक्रम  
ऐसी ही बहुत अनेक  
हैं।

ये क्या हो रहा है? मेरे  
आगे पर अभी तक मैं  
अचानक तुम्ही से विचार  
नहीं है। और कामकाज  
तो तब होता जा रहा  
है।

पर जो भी हो रहा है  
अच्छा ही हो रहा है।  
क्योंकि इस गली में  
बंदू के कारण पैदा हुई  
मेरी दुर्गति की  
कमालों को दूर कर  
दिया है।

लेकिन फिर भी- बहुत कम तक  
पहुँच नहीं गई-  
ओ भगवान  
ये... ये क्या है?



ऐसा यह मेरी  
तक है नहीं, मेरी  
लेकिन मुझे तो बहुत  
मिल रहा है और वह जो  
मुझे तो तक यह नहीं  
है।

लेकिन अब मुझे के बीच ले कुछ ही  
मिनट की दूरी पर ले-



ये तो सब के भारत  
पर ये भारत के बीच बीच  
अचानक कैसे कुछ यह महानगर  
के जो अलपस लेकडों जीत तक कोई  
बदलाव मुझे ही नहीं है।

ये भारत  
अचानक नहीं हो  
सकती। अचानक इस  
दोष किसी को नहीं  
इसने का हाथ है।

जबराज का काक नहीं सिद्ध होने में सिक संक पल आता-

उस \$555 है!

मैं आजाब हो  
गया! मैं आजाब हो  
गया!

अब मुझे  
इतना है! मुझे  
इतना है!

ये क्या बना है? ये क्या  
पीन कर रहा है और बिल कुछ गुण  
या होले बिल का क्या कैला रहा  
है?

ये मे सिक  
पही बना सकने  
है!

लेर इन सिम्टर  
लहा से ये सकल पूछने  
की हिममत सिक मुम हो  
कर सकने हो जबराज!

हीरो है, मुझे इस बेहोश लुटेरे को  
जैसे शिवल दूँ, मुझे मेरे पुर करके  
बड़ी लड़ाई होने का जश्न कर लूँगा।  
देखो... अब मुझे सिस्टर साव  
इस इलाके का कारण जानने की  
कोशिश करना है।



ओ. के.  
निकालो।  
बस, जरा  
जल्दी करो।

हे सिस्टर साव,  
कुक जिनट मुझे  
कौन और इस आदमी  
को नष्ट करने का  
योजना है?

आहा हाँ, हाँ, अवश्य  
यही मेरा जज है। जो इससे  
शिष्टता, मुक्त है, वही  
मर्जी लेकिन मुझे दुंदुभ  
है। मुझे दुंदुभ है।

मे कहां  
पर है?

मे कहां दुंदुभ है?  
यह मुझे आता है।  
पर मुझे, इसका दुंदुभ  
महान् अद्वितीय है, वह...  
वह चीज नहीं मिली  
मे मे पर अद्वितीय

पर बहुत चीज है क्या?  
अब मुझे ये पता नहीं  
है मे दुंदुभ ही वही है  
कि वह चीज यहाँ  
कहाँ पर है?



मुझे सहायता है  
ही और मे भावना है  
मुझे बताओ कि मुझे क्या  
हो रहा है?

आपने मे उल  
चीज को दुंदुभ मे  
मुझारी कुछ लड़  
कर लेंगे।

हैं, धोका धोका  
पट आ रहा है, उस  
महान् पर...

... उस  
जल्द पर...





मुझे... मुझे एक बड़ी  
आरका है पर मुझे बड़ा  
पर मुझे ही मुझे लेना  
ही है कि मैं किस चीज की  
बात कर रहा हूँ!

उन्होंने यही पर  
हैं वे प्राणी सिद्धांत  
मेरी चीज धुपई

अरे, अरे, तुम  
कहा कर रहे हो  
मुझे मैं, मुझे!

मुझे... मुझे  
मेरे ही वहाँ  
पर ही, बहुत, बड़ा  
कहा है?



अब... मुझे  
मैंने देखा

मुझे कुछ समझ  
में नहीं आ रहा है कि तुम 'किस  
चीज की बात कर रहे हो'



मुझे... मुझे एक बड़ी  
आरका है पर मुझे बड़ा  
पर मुझे ही मुझे लेना  
ही है कि मैं किस चीज की  
बात कर रहा हूँ!

मुझे इस इनसा  
उप है कि मुझे बड़ा  
उपना 'प्राणी' है, बड़ा  
ऊपर पर धुपकर गया है  
मुझे मेरी चीज के, बड़ा  
बड़ा भयानक कर दिया है  
मुझे!

बस, बहुत ही  
सादा, धुपकर मुझे  
मुझे है और विचार  
मुझे का मुझे  
कर रहा है

मुझे मौतों की अब वे मेरे  
उपर मेरे कहीं बड़ा नहीं है  
मुझे मेरे मेरे बड़ा मुझे  
मुझे पर 'मुझे' चीज के  
कैसे देखेगी



अब... मुझे  
मैंने देखा

मुझे अब  
मैंने देखा

मेरी चीज  
के मुझे  
मुझे काहने  
है



पर मैं... उसका नाम छ मेरा है ही,  
आज... है उसका नाम मेरे ही को लेकर  
मोहल पर सलेबुन कर दूँगे



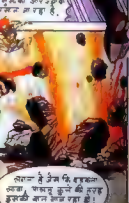
आसस है, इसका हर  
बार मुझे की और मुझे  
भुलाने का रहा है.



सुनार लोडलज बह  
लोडलज का कर रहा कर में  
कायक न रहा होना.



ले लोड का  
बहु भुलना  
उसकी पूरी तरह  
कुलना हैना -



आसस है, इसका  
मेरे लोड पर रहा  
विशेष है.

लोड है उस कि बहलना  
लोड, फालतु कुने की तरह  
इसकी जान लान रहा है!



अब बहाव... नरक में  
आव के भयान कुरंग  
हैं। और एक बहाव  
हजारों की तरह बह रहा  
है। इस बहाव को रोक  
लिया ही एक सकता  
है।

मुझे आकाश को  
काट में करके इस  
बहाव को रोकना  
ही होगा।

मही जगज्ज, एक  
आखिरी मुझे ले लेगी  
नैत्र शक्तियों ने मुझसे  
से बच लिया था। पर  
मूल में पड़ने ही, कभी  
मुझसे मुझे ही, अब  
अब मैं मुझ सिस्टर आका  
के पास बच ले मुझी  
गर्ब की अहीमित्री

हैंक  
कहा।

पहले मुझे  
कुछ और करना  
होगा।



अब ये डौलत नहीं, मुझ  
है न मैं इसको एक ही धुने  
में बहाव कर दूँगा, और  
उसके लिए मैंने इससे एक  
तक पहुँचाने ही एक कदम  
लि में ही अब इससे एक  
की दीवार को पर नहीं  
कर सकते हैं।

पर मुझे इससे, पास  
पहुँचने के लिए

इसके लिए एक  
आखिरी सर मुझे  
ले लेगी। अब मैं  
साथ।



अब ये मुझे बच कर रहे  
हैं। लक्षण: फायर गैज  
की शक्ति, एक के रूप  
मैंक पहनने का रहे है।

ये फायर गैज मुझे के  
फायर में बचने हैं और  
मल्लेश्वरन अक्षिरोपाय होना  
है। ये गार लक्षण और बड़े  
हम मुझे के बुर मुझे, उसी  
दौर मेंक गार की रहीं में  
सुरक्षित रहेंगे, जिनकी के  
में मैं आका, एक पहुँचकर  
उससे बहाव कर सकूँ।



बहुत आगे मुझे मुझ  
होने का मुझे डौल है  
नहीं रखेंगे, क्योंकि मैं  
मुझसे आगे के हर  
सकने को जाने में एक  
दूँगा।

अब इससे पहले कि ये  
आका मुझे के एक पहुँच  
कर मुझे भयान कर दूँगे  
मुझे मेरी जीज का पत  
बना है और एक में  
मुझसे के एक बारक  
दूँगा।



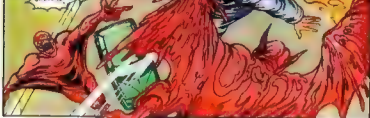
इन्होंने तो मेरे पुरे पकान को  
फेल कर दिया है! अगर मुझको  
लावा पर मक लार और कराने  
का सौका मिल जान तो ये सैकड़  
यहाँ पर खान हो जात।

लार की लुहनिचों  
जानना के अनुसार  
ज रही थीं

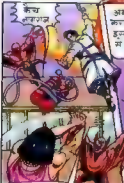
और जगान के पस उनसे लड़ने के लिए  
कोई भी इच्छा नहीं छ-

लेकिन अब खाना है  
कि खाना होने की गरी  
मेरी है

आइए



कैच  
लगाया



अब ये इस जगहों के पकान  
जाने के काम में लाकर  
इसका चेहरा पीछे की गढ़ने  
में बड़ी इन अक्षरों  
का उठा कर हार



आइए: यह तो  
बड़ी पकान उठावने जाय  
काकर-गकन दिव्य बिहार है जिससे  
लुटेरों ने लूट बेवस किया छ।

श्रीप से फिर मैं हज़ारे होम  
हो जाऊँगा कि, हे माँबुका  
हज़ारी लाल का हाथ



इन्होंने तो मेरे पूरे पताका को  
फट कर बिछा है! अगर मुझे  
पताक पर सऊ वार और करने  
का जोर मिल जाय तो ये होकर  
यहाँ पर खतरा हो जाता.

लम्बे की आकृतियां  
माराज की भुलभुलानी  
ज नहीं हैं.

और माराज के पास उनसे बढ़ने के लिए  
कोई भी हथियार नहीं था

लेकिन अब बचना है  
कि खतरा होने की बारी  
मेरी है!

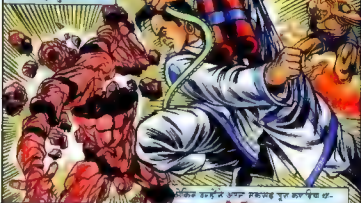
असह्य है

कैच  
माराज

असह्य ये इन आँखों को खतरा  
करने के कारण ही अपना  
हुमका फेंक बिछासी चहुटने  
से बढ़ी इन आँखों को  
न उठा कर हवा

असह्य है राहु तो  
बड़ी फेंक उठावने जल  
कायर. लम्बे दिवस विजय है जिससे  
लुटेरों ने मुझे बंधन किया था

देखते ही देखते आगे से बड़े बड़े  
प्रती नगर हो चुके थे-



लेकिन उन्होंने अगर सकल हूत का पता था-

क्या वो इनका साथ लिए चुक था  
कि वह अपने दोस्त को मारने का

फिर से आग्रह पर  
हमल कर जके

आ 333 हा! तुमको फिर से होना  
असह्य है- लेकिन  
अब मेरे पास तुम्हारे  
करीब का जवाब है- और  
मैंने इसका परीक्षण  
भी कर लिया

ये पोल तुमको  
असह्य ठंडा कर  
देगी, और फिर मैं तुम्हें  
पर आग्रह करूँगा तुम्हें बच  
कर लौटने की, वरना  
पूरी तरह मार डूँगा





गुरे 'मैंने तुम्हें की  
जैसे मैं जाना ही चुका  
हूँ'  
97-5530 ई.

अब अगर तु  
अपनी जिन्दगी को  
संभाल कर ले लो  
चुनना है तो हम  
को अपनी जान  
से बचकर मेरी  
जान और का  
पना बचाना है

बहुत चीजें उसी  
मरना पर गंभीर हैं  
जहाँ पर मेरे जहाँ  
मैं हूँ मैं अपने  
इस जहाँ और जहाँ  
में जहाँ हूँ

ह... मैं महान  
जान कि तुम जहाँ की  
जान कर रहे हो, तुम्हारे  
जहाँ की चीजें जहाँ पर मैं  
हूँ और जहाँ

और वह महान जहाँ  
के जहाँ और जहाँ  
ही जहाँ जहाँ

मैं जहाँ हूँ  
मैं जहाँ हूँ जहाँ की  
हूँ, जहाँ पर हूँ जहाँ  
जहाँ जहाँ हूँ जहाँ

जहाँ मैं जहाँ  
हूँ जहाँ हूँ जहाँ  
ऊपर मैं जहाँ  
जहाँ जहाँ जहाँ

जहाँ मैं जहाँ  
हूँ जहाँ हूँ जहाँ  
ऊपर मैं जहाँ  
जहाँ जहाँ जहाँ

लावा, जगदीप की ही तलाश में थे-

क्योंकि, लावा, की रक्षा के लिए सबने जहाँ  
हीन जगदीप में ही थी-

उसकी बेटी-

और वह एकदम मुस्कान दी

ये हाँ में  
क्या नहीं आ  
रही है ?

इसकी तो  
कहीं घेत में  
नहीं लगी है

इसकी मुस्कान  
लगी है

और सबने का  
करना हुआ था  
सही है !

कहीं इसकी मुस्कान का कारण वह  
समय में नहीं है जो इसकी कानों  
बचने, भावनाओं के दुःखों में  
हवा छ और जिसका हमको  
विनाश नद, नहीं मिता

काज, इस इसकी  
को धारा पर डींग का  
सकने में हुए लकी  
की मात्र बच नहीं

मुस्कान का  
कलन है एकदम  
विचल

मुस्कान विचल, आज  
यह, कुछ लगी है जो  
आज बाकी में मेरे कानों  
तो इसकी आवाज सुनने  
के लिए मैंने नहीं मे  
नगर रह है

समय है इसकी, फिर  
अपनी आज की रण पर बचने  
बाला वह मात्र अवसर इसकी  
कोई मेजबानी की संवेदनी रहा  
होगा

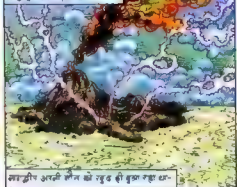
उपलब्ध वह इसकी  
विन रहा है, और  
मित्र की भोजनक लैन  
ने इसकी यह मुस्कान  
नहीं चला है

विचल को कुछ  
करने की अवसरकल  
नहीं थी, वह समय  
को समझ रहा था  
और जब वह  
उसकी विज्ञान  
हुँद रहा था-

इसकी ईश्वरियों में कल निकल कर  
बोता का रीत के दिमाग से सन्निक  
नहीं के 'रेगुले बेलम' की तरह  
बाहर निकल रही थी।



और वे सन्निक नहीं उन्हें तरक  
फेककर उस कुंसा को फेंक रही  
थी, जिससे फेककर वे जलवायु  
के अंदर बिरने देरक था।



साड़ीप अरनी लीन को खुद ही बुझ रहा था-

लेकिन हमें वकन सड़कजोर पर मेंदरने बाहर चलता  
अकेला साध ही नहीं था-

एक सन्निक और असन्निक में उतर रहा था



मैंने, मैंने,  
हम, बेलम  
मैंने हरे-

आ, तु वहां पर  
असन्निक बल कर रहा है,  
लेकिन, अपने बाकी अंदर  
कहां है?

ह...  
जेल में

जेम में ? वृहत्तु  
वृहत्तु : जेम में,  
कैसे ? नहीं ? कब ?

तो बीस, अगर वहाँ पर थे नहीं  
तो आपने अपने सम्बन्धितों  
के बिना जिस फायर ट्रक और  
ए फायरमैन की चेतावनी को  
सराया था उसकी मदद से हमने  
कुछ पैसों कमाने की सोची।

हम... हमने फायरमैन  
बनकर फायरफोरेमन बैक में  
बैकेंनी हाथी। एक भी मोले  
नहीं चलायी गयी। हम  
कामयाब भी हो गए थे

पर जमान  
में बीच में  
आकर मा  
हड़बड़  
कर दी।

बैच हाँफा उन  
चेतावनी को और  
टुक को

न... नहीं  
जैम।

उस कबड़  
के से से रूप  
और नहीं मिलते

उसके कबड़ों और  
हारी हुजूमन विंग पं  
क के नी छपने की हिमत  
कैसे की ? जाल कल  
बिनाह दिए नुबे ?

हमारे अहमी  
और कबड़ हम  
नू जमान की  
नज़रों में हो  
गया। पर एक  
हुजूमन



अगर जमान ने मेरे बकी  
मापी, पकड़ लिया तो नू बच  
कर कैसे आ पाऊँ ?

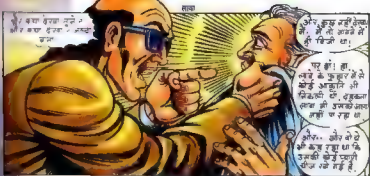
एक सम्बन्ध ने बचा  
लिया मैंने। जमान ने तो  
अपनी एक तमिज़ मेरे पीछे छेड़  
दी थी, पर देन बचन पर मेरे और  
उसके बीच में अमीन को पोकड़  
लावे वह अपना दिक्कत आया।



तमिज़ उस लगे  
की फुहार के पर नहीं  
कर पाई।



मौक  
महाबल में  
गया ?



क्या दे रहा है ?  
और क्या दे रहा है ?  
क्या

और कुछ नहीं देता  
मैं, मैं तो जानते हैं  
ही बिजो था !

पर हाँ ! हाँ !  
मारे के फुहार में से  
कोई आकृति भी  
निकली है, दुश्मना  
साथ ही उसकी जान  
नहीं बरह पा

और... और वो ये  
भी कह रहा था कि  
उसकी कोई प्यारी  
चीज रहे नहीं है.



लोके में निकली  
आकृति हुंजान जैसी  
तो नहीं थी ?

ही, बीस मिनट  
पतला-दुबला इंसान  
अपने हाथों में उसे धकका  
ही पड़ेगा : चित की  
आवाज में उसे अपना ही  
जहाँ जाना

आधी कहानी बच रहा है  
और वह प्यारी चीज उसकी  
बेटी है ! मैं दे रहा था कि उसमें  
बिचने बिचने ही आधी बेटी को  
जानकराही है फिर से बचा  
चिरा था.

हुंजान  
क्या कह रहा  
पर हाँ  
मेरे ही



बैक, जैक के साथ  
सागरज उसने पाइ रहा  
था और जैसे उसका से  
बहुत बड़बड़ा जल्दी ही जान  
होने लगी नहीं थी : वे  
कोई अर्थ भी नहीं  
पर होंगे

ये तो बहुत बड़े बड़े बीम !  
कमाल का बचपन हुआ था  
स्वतंत्र की छंदी है, आधी बेटी  
को दुश्मन बहुत सीधा हमारे पीछे  
आगला, बहादुर लेने के  
लिम



पहले वह जगह में से  
हवा में बीसे भी इसका वह  
हुंजान मैंने ही ही है, और मैंने  
हवा स्थिति में उसका बहुत उक्ति  
ही जहाँ ही साकन भी है.

कमाल और  
सागरज में बच ही  
हवा में मेरे हाथों  
में बच नहीं जाना  
अब कहानी पर  
में शक्ति बूटने

और उस प्यार  
पर १ घण्टा लुगाओ  
जिसका पूरा करने के लिए मैंने  
अखिरी क्षण तक अविवशित





कौन सा ? बटमों के बीच से  
साया बल बलकरा गये।  
वह पहाड़ों में पहुँचने  
लगा है।

साया की शक्ति  
तो बड़ी ही



लेकिन जोहोरी की  
शक्ति तुम्हें करीब  
आ रहा है।

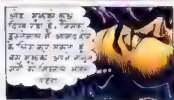
आहा, आहा मैं भी  
तो देखूँ कि तुम्हारे  
पर किसका तेज  
प्रकाश पड़ेगा।

जब तुम सब-  
असह्य धके  
जाओगे, तब  
तब मैं तुम्हें  
उस अलौकिक  
शक्ति के  
साथ ही  
साया के  
मैं तुम्हें  
जहाँ बल



साया की शक्ति  
तो बड़ी ही  
बलवान है।

श्री ३० साया की शक्ति  
तो बड़ी ही  
बलवान है।  
साया की शक्ति  
तो बड़ी ही  
बलवान है।



श्री ३० साया की शक्ति  
तो बड़ी ही  
बलवान है।  
साया की शक्ति  
तो बड़ी ही  
बलवान है।



आहा, आहा मैं भी  
तो देखूँ कि तुम्हारे  
पर किसका तेज  
प्रकाश पड़ेगा।

श्री ३० साया की शक्ति  
तो बड़ी ही  
बलवान है।

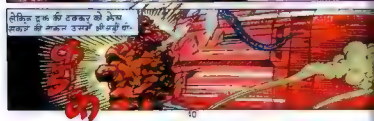
श्री ३० साया की शक्ति  
तो बड़ी ही  
बलवान है।

श्री ३० साया की शक्ति  
तो बड़ी ही  
बलवान है।

श्री ३० साया की शक्ति  
तो बड़ी ही  
बलवान है।



और ट्रक, रेलवे में कैद साबरास की तरह धक्का मचा -





होती है। वो भाग के दड़कने लगे  
थे। वो भी क्या कर सकते थे



बना है मुझे उस  
अधुर का पैसा बना के  
वहाँ आग है मजबूत  
है मजबूत तो है मुझे, मैं  
उस मजबूत की मजबूत  
अधुर का पैसा



अब मैं नु हुमरी  
दुनिया में आ मैं आपने  
पानी पीने की दुनिया  
कोई दुनिया मजबूत  
पुनः

मैं नु हुमरी दुनिया  
दुनिया में दुनिया दुनिया में, दुनिया  
दुनिया में दुनिया में, दुनिया  
दुनिया में दुनिया में, दुनिया

अब मैं मजबूत  
हूँ मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत

मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत



मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत



मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत

मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत

मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत

मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत

मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत  
मजबूत मैं नु मजबूत

ये देखकर, वे अपने 'आयर टैंकर' से  
बुझाते गए चट्टी पर आग है। वेने भी  
ने लगे के कारण बुझाते में चट्टी पर आग  
ही छ। अब बुझाती धारे की मलिनित  
बुझाते बुझाते भी गलबल देना करा देती  
और बुझाते लगे को भी

बुझाती छोटी भी बुझाते  
में ही बुझाते। बुझाते  
बुझाते को बुझाती में  
बुझाते देना  
करके



लगा अपनी बुझाते में  
बुझाते नहीं बुझाते गए छ-

बुझाते के बुझाते में कि अब  
बुझाते लगे में ही प्यारी कीज को बुझाते करी देना नहीं पायक



आजकल आते कि, अब तक जीवित ही आता नहीं।  
 ये दुःख का कारण  
 है कि बिना किसी  
 भी कारण के तो बेहोश  
 होकर मर रही है।

कुमार बिना किसी  
 अंदर कुछ अप्रसृत  
 इच्छाओं के कुमारी  
 बिना किसी। जैसे कुमारी  
 मर चुकी है।  
 ये अवश्य इसका  
 होना में माने का  
 कुछ प्रमाण  
 कर रहे हैं।

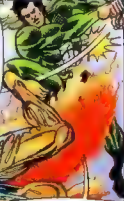
आजकल बिना किसी की अंतर्गत घमक रही-  
 इसका कुछ संकेत मिल रहे थे-  
 इसकी ओर से मरना हो रहा है।



उसने उस बेहोश  
 लड़की के दस पिता  
 का पता पता किया  
 था-

अरे! यह... यह  
 क्या? मैंने बहुत  
 इच्छा की मरना  
 नहीं है कि मेरी  
 रूढ़ि चीज कहीं पर  
 है, यह नकार लेता  
 है। इसका  
 ऐसा ही है।

जिसको धाकते नज़रानुसी का  
 पिछला नज़र भी खत्म नहीं कर  
 पाया था-



इस पर कुहरे कासते रहे! ठंडा होने  
 पर कुलका बिना किसी कासे पर ले हट रहा  
 है, ये बेहोश हो रहा है। अब ये नज़र  
 हमारे कान में आ जायगा!

दिशाएँ ज़ाहिर में हुए  
रहा है और ये पानी  
की लहरें धारें उस बेहोशों  
की उपलब्ध को और लेज  
कर रही है

साथ ही साथ मेरा  
विचार भी मुझसे खिंच  
खींच रहा है

मुझे ऐसा अनुभव  
होता है कि मुझ पर  
पानी की लहरें पानी  
मिल रहा है

मैं ही, ये धुंध नहीं है,  
अब मुझको इस चीज की  
स्थिति के अंकित भी मिल  
रहे हैं वह चीज पानी में  
उत्तर, स्थिति किन्हीं में है  
पानी में लहरें भी सीधे  
हूँ

पर मेरी इच्छा से आगे  
पर विचार है और ये पानी  
की धारें आगे पर मेरी  
विचारों को बलबल कर रही  
हैं साथ ही साथ ये पानी  
आगे को इच्छा में विचारों  
ही लहरें भी कर रहे हैं

लेकिन जहाँ  
हूँ वह पानी ही  
है -

मुझको वहाँ  
पर आना है!

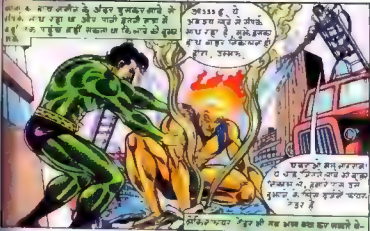
जहाँ  
है

मुझ पर  
ये लहरें हो रही हैं  
अपना है

मैं वहाँ  
गह्वर भी निज  
आती हूँ -

आप के साथ लड़ने के अंदर बुझकर आगे से  
 निकलें, साथ रहा था और पाती इतनी लम्बी  
 थी कि पातुंज बाड़ी सकता था कि आगे की दूर  
 तक

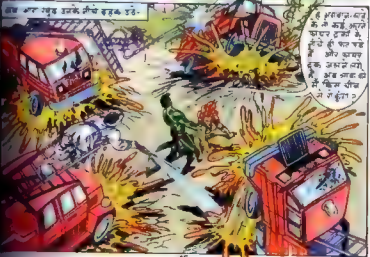
अब इस वक़्त से मैंने  
 आप रहा है, मुझे इसका  
 साथ बाहर निकालना ही  
 होता, उसका



एक ओर मैं सड़ रहा हूँ।  
 वहाँ ज़िन्दगी का एक बूझ  
 निकलना ही, दूसरी तरफ़ उस  
 बुझने के बिना दुनियाँ का पता  
 नहीं है

शक्ति का पता है और ही सब भला क्या कर सकते थे-

सब आगे बढ़े उनके पीछे दूर तक उठे-



है भला बाज़ार का  
 के ले कई आगे  
 फाट्टर टुकड़े के  
 लुटेरे ही चल रहे  
 हैं और कायर  
 दूक उभरते लगे  
 हैं अब माह के  
 मैं किस चीज़  
 में गड़बड़ाऊँ

आसस हा मेरा सिर खरी  
नरक धुन रहा है जलराज।  
इसीलिए मुझे मेरी अन्न कंठधारी  
पक रही है, वैसी भी अब मुझको  
उन स्थान का पता जित्त जग है  
मे तु मुझे बतान नहीं चाहत  
या! अब मैं पहले उस प्यारी  
लक को हलिस करूँ, और  
फिर उस दुष्टों को दंड दूँगा  
जिनहोंने मेरी प्यारी लक को  
मुझसे नुस्त किया! और  
फिर मुझको इस हाथत  
में पहुँचा दिये

बस, इस इकत मुझको  
उनकी हाकलें दूँ नही  
अ रही हैं।

ये लं सचमुच नागद्वीप  
की दिशा में आ रहा है। पर...पर  
इसको नागद्वीप का पता जित्त कैसे?

पता नहीं सौदागरी, लेकिन  
अगर इसकी नाह प्यारी पील  
सचमुच नागद्वीप में ही है तो वह  
असली सने के चक्कर में नागद्वीप  
को तबाह कर सकता है।

मुझे इसको  
रोकने के लिए इससे  
पीछे जगना होगा!

संज्ञा प्र भाव को समझे में ही  
 गीक मंने के सिखा हुआ मैं ठका



लेकिन



कहा हुआ मतलब  
 तुम जल्द का पीछा  
 करना चाहकर इसी  
 बिना में क्यों उठे  
 जा रहे हो ?



हुंदरने हाथ का गोल्ड  
 रजकमयोज की हुंदरने के  
 बाहर तेजा में जापुन  
 जरी खतरे के मुकाम धक  
 रहा है :

जाने क्यों मुझे  
 किश मर रहा है कि  
 लका के अने और  
 किश मरकर चले  
 यह हुआ होन में  
 किश न कोई मीरप  
 मकर है

जैसे ही लकड़ीप के  
 वाली लक में अपनी  
 चुन कर मकने में मकन  
 है। लेकिन लकड़ावर  
 वाली लक जैसे खतरे  
 में कर्म निपट नहीं  
 पाये



कहासर के पिक भाव जैसे लक  
 खतरे में निपटन मुकाम ध-

पर इंटरनेशनल गैरकानूनी गैरकानूनी के सामने उसके जैसे हीन स्वतंत्र मौजूद थे-

गैरकानूनी-गैरकानूनी  
के बीच पर तैयार  
होने के तो हमने  
चिन्तन कर दिया होगा।  
पर गैरकानूनी में मौजूद  
गैरकानूनी हम पर गोर्खा  
करना रहे हैं।

जिस तरह  
से ये गैरकानूनी  
आग की दीवार  
को हमारी तरह  
पाए नहीं कर सकते  
हैं तो ही हमकी  
गोर्खा हमारी  
कमल बुद्धिपूर्वक  
जैकटों को पाए  
नहीं कर सकते।

तु तो बात कहना  
बनने को कहना  
ज। और आग  
की दीवारें पकड़ी  
करता ज।



हमने तबत तक धर धर  
संवाद पर काम शुरू कर दिया  
है। हमारे लिए दोनों बड़े  
संवाद कलावा और लालच  
अभी भी लालच में ही  
मौजूद हैं।

हमारी योजना के मुताबिक अभी  
दोनों आपस में ही उलझे हुए  
हैं। बिना एक के अरे उलझाई  
रहना तो होती नहीं। और कभी  
बड़े को हम संभाल लेंगे।  
फिर हमें एक विपदा पर संभाल  
की जरूरत नहीं है।

बड़ा तक तुम  
कभी पहुँच नहीं  
पाओगे!



अभी तो उस झूठे तक  
पहुँचने की सोचो जहाँ पर कई  
बड़े मोल राबत हुआ है।



यह यहाँ पर  
तो अस्सी मीटर  
मिटरघरिटी सिस्टम  
लगा है, बीस।

जमीन के  
अंदर से अजब  
आ रही है।

तुम जैसे सैलानों के लिए  
मिटरघरिटी सिस्टम पूरी  
निष्ठा में लगा हुआ है।  
और इस मिटरघरिटी सिस्टम  
का नाम है...



बाबा राज!

सही  
समय है।

हम तो  
समय के अनुसार।

पर तुम नहीं समझे।  
यहाँ पर अपनी सुरक्षा के लिए  
हमने जवाह- जवाह पर जवाह  
बल फिट कर परते हैं।

जो मेरे रिमोट के सट्टे  
इसारे पर फट सकते हैं!  
और तुम्हारी लकड़बुनियाँ  
भी तुमको आग से नहीं  
बचा सकतीं!



आग को आग ही काट सकती थी-

इस लीज आग उठाते शैतानों से आगरा की इकितरों नहीं बच सकती थी-



आग ही इस शैतानों के चक्रीय को जल कर सकता था-

पर फिर आग तो उसका काट  
नागद्वीप पर बरसने लग था-

यहाँ पर है वह स्थान  
संकेत तो यहाँ से आ रहा  
थे! यहाँ पर तो कुछ भी  
नजर नहीं आ रहा  
है!



आग को अदृश्य  
नागद्वीप नजर नहीं आ रहा था-

मेकिल नागद्वीप पर मौजूद  
आग, आग को डेर कर सकते थे-

ये कौन शैतान  
है जो हमारे आस-  
पास खड़ा रहा  
है!



ये कहीं नहीं  
तो नहीं है जिसकी  
मैंने संकेत भेजे थे।  
पर इसकी आग  
कैसी नहीं है!

यह जो शैतान  
नहीं हो सकता  
जो लकड़ी को  
होड़ा में आ  
सके!

यह तो आग  
उसकी आग जलने  
है! अब मैं इससे  
संपर्क नहीं करूँ।  
यह खुद ही निरा  
होकर आपस पर  
जल रहा है!



क्या नागद्वीप का अदृश्य कवच  
को अपनी बेटी तक पहुँचने से  
संरक्षित करेगा? और क्या नागराज  
को संरक्षित करेगा अब तक की सबसे  
बड़ी बेटी को? क्या वह ऐसा कर  
के लिए बिना भी रह पाएगा? क्या  
होगा इस लकड़ी का जंतु? क्या  
के लिए होना करे...

**विनाशलीला**

जो मेरे रिमोट के सट्टे  
इसारे पर फट सकते हैं!  
और तुम्हारी लकड़बुनियाँ  
भी तुमको आग से नहीं  
बचा सकतीं!



आग को आग ही काट सकती थी-

इस लीज आग उठाते शैतानों से आगरा की इकितेन लड़ी छिप सकती थी-

आग ही इस शैतानों के चक्रीय को जल कर सकता था-



पर फिर आग तो उसका काट  
नागद्वीप पर बरसने लग था-

यहाँ पर है वह स्थान  
संकेत तो यहाँ से आ रहा  
थे! यहाँ पर तो कुछ भी  
नजर नहीं आ रहा  
है!



आग को अदृश्य  
नागद्वीप नजर नहीं आ रहा था-

मेकिल नागद्वीप पर मौजूद  
आग, आग को डेर कर सकते थे-

ये कौन शैतान  
है जो हमारे अस-  
पाव जल रहा  
है!



ये कहीं नहीं  
तो नहीं है जिसकी  
मैंने संकेत भेजे थे।  
पर इसकी आग  
कैसी नहीं है!

यह जो शैतान  
नहीं हो सकता  
जो लकड़ी को  
होड़ा में आ  
सके!

यह तो आग  
उसकी आग जलने  
है! अब मैं इससे  
संपर्क नहीं करूँ।  
यह खुद ही निरा  
होकर आपस पर  
जल रहा!



क्या नागद्वीप का अदृश्य कवच  
को अपनी बेटी तक पहुँचने से  
संरक्षित करेगा? और क्या नागराज  
को संरक्षित करेगा अब तक की सबसे  
बड़ी लड़ाई को? क्या वह ऐसा कर  
के लिए बिना भी रह पाएगा? क्या  
होगा इस लकड़ी का जंतु? क्या  
के लिए होना करे...

विनाशलीला